THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANS PORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Si?

(b) and (c) Tie improvement in port performance, productivity and operations is a continuous process. All major ports take necessary steps from tine to time to improve their performance, productivity and operations

**National Workshop on Read Safely**

6314, SHRI CHIMANBHAI HARIBHAI SHUKLA: Will the Minister ©i SURFACE TRANSPORT be pleased to state:*

(a) whether * National Workshop on Road Safety Management was organised recently; and

(b) if so, the subjects discussed and the measures recommended by the experts and the participants^

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANS-PORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir,

(b) Does not arise

**Setting up of Rest Areas Alang Highways**

6315. SHRI YERRA NARAYANA SWAMY: Will the Minister of SUR FACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have discus sed with we Slate Transport Ministers the policy of creating Rest Areas, along-side major roadways and highways;

*(b)* if so, details of such discussions;

{«) whether there are any proposals to establish Rest Areas tor iong-distaace road users in Andhra Pradesh; and

*Id)* if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRAMS-PORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (*) No, Sir. However, the Ministry ha« an ongoing scheme for providing passenger oriented wayside amenities along National Highways under Government Sector as well as under Private Sector participation.

(b) Does not arise,

(c) and (d) Under Government Sector Scheme, a site at Palamaner on National Highway-4 in Andhra Pradesh has been identified for development of passenger oriented wayside amenities.

**अमुख्य प्रत्तनों की अतिरिक्त क्षमता**

6316. श्रीमती सुषमा स्वराज:
श्री राम जेठमलानी:

क्या जल-परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के प्रमुख पत्तनों की वर्तमान क्षमता 172.6 मिलियन टन है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि सरकार ने विद्यमान क्षमता को बढ़ाकर 237 मिलियन टन तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया है;

(ग) यदि हां, तो यह अतिरिक्त क्षमता कब तक सृजित कर ली जायेगी और इस प्रयोजन के लिए कितनी अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता पड़ने का अनुमान है;

(घ) क्या सरकार ने यह राशि प्राप्त करने हेतु विभिन्न वित्तीय स्रोतों की पहचान कर ली है; और

(ङ) यदि हां, तो किन-किन स्रोतों से कितनी-कितनी धनराशि प्राप्त करने का विचार है?

जल-परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): (क) और (ख) देश के पत्तनों की वर्तमान क्षमता 173.04 मिलियन टन है। आठवीं योजना के अनुसार, योजना के अंत तक क्षमता को बढ़ा कर 237 मिलियन टन किया जाना है।

(ग) नौवीं योजना के दौरान में 237 मिलियन टन की क्षमता प्राप्त कर ली जाएगी। तथापि, इसमें से 216 मिलियन टन की क्षमता तो आठवीं योजना 1992-97 में ही प्राप्त कर ली जाएगी। आठवीं योजना में इस प्रयोजनार्थ 2984 करोड़ रु० का परिव्यय उपलब्ध कराया गया है।